श्रीकृष्ण और युधिष्ठिर

महाभारत युद्ध के बाद श्रीकृष्ण ने छत्तीस वर्ष तक द्वारका पर शासन किया। सुख-समृद्धि भरपूर यह विशाल यादव-वंश आपसी कलह से नष्ट हो गया। यह देखकर बलराम ने समाधि लगाकर शरीर त्याग दिया। सर्वनाश देखकर श्रीकृष्ण भी समुद्र के किनारे जंगल में अकेले विचरण करते हुए सोते समय एक शिकारी के बाण के कारण संसार छोड़ कर चल गए| कृष्ण को हिरन समझकर शिकारी ने तीर मारा था। तीर श्रीकृष्ण के तलुए को छेदता हुआ शरीर में घुस गया और यह तीर ही कृष्ण की मृत्यु का कारण बन गया।

श्रीकृष्ण की मृत्यु का समाचार पाकर दुखित हुए युधिष्ठिर ने राजगद्दी अभिमन्यु के पुत्र परीक्षित को सौंप दी। युधिष्ठिर अपने भाइयों व द्रौपदी को लेकर अनेक पवित्र स्थानों की ओर चले गए और अंत में हिमालय चल दिए। इधर परीक्षित और उसके वंशजों ने न्यायोचित शासन की परंपरा का निर्वाह करते हुए दीर्घ समय तक राज्य किया।

शब्दार्थ -

- शासन - अच्छा शासन
- असीम - अत्यधिक
- विचरण करना - टहलना
- शोकजनक - दुःख देने वाला
- देहावसान - मृत्यु